कार्यकारी सार

इस प्रतिवेदन में सेवा कर से संबंधित 151 लेखापरीक्षा आपत्तियां शामिल हैं जिनका कुल राजस्व प्रभाव ₹ 265.75 करोड़ है। मंत्रालय/विभाग ने फरवरी 2014 तक ₹ 262.29 करोड़ के राजस्व की 147 लेखापरीक्षा आपत्तियां स्वीकार कर ली थी और ₹ 65.28 करोड़ की वसूली सूचित की थी। महत्वपूर्ण परिणाम निम्नानुसार हैं:

अध्याय I: सेवा कर प्रशासन

- सकल घरेलू उत्पाद की प्रतिशतता के रूप में अप्रत्यक्ष कर राजस्व वि.व. 09 में 4.80 प्रतिशत से घट कर वि.व. 13 में 4.69 प्रतिशत हो गया। इसी अवधि के दौरान, जीडीपी की प्रतिशतता के रूप में सेवा कर राजस्व 1.08 से बढ कर 1.31 तक पहुँच गया। वि.व. 13 मे सेवा कर राजस्व 36 प्रतिशत तक बढ कर ₹ 1,32,601 करोड़ हो गया था।

(पैराग्राफ 1.6 और 1.7)

- वित्त अधिनियम की धारा 69 के तहत सेवा कर पंजीकरणों की संख्या वि.व. 09 में 12.26 लाख से वि.व. 13 में 18.71 लाख हो गई इसमें 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई।

(पैराग्राफ 1.13)

- पिछले तीन वर्षों में से प्रत्येक में 75 प्रतिशत से अधिक के ई-फाइल विवरणियों को एसीईएस द्वारा समीक्षा और सुधार चिंहित किया गया था। 31 मार्च 2013 तक, 14.74 लाख विवरणियां (समीक्षा और सुधार हेतु चिंहित विवरणियों का 80 प्रतिशत) सुधारात्मक कारवाई हेतु लम्बित थे।

(पैराग्राफ 1.17)

- लगभग 50 प्रतिशत सेवा कर निर्धारिती जो सालाना ₹ 1 करोड़ के राजस्व का भुगतान करते थे, की लेखापरीक्षा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर विभाग द्वारा देय थी किन्तु वह 2012-13 के दौरान बिना लेखापरीक्षा के पड़े रहे।

(पैराग्राफ 1.19)

- वि.व. 13 में 10 प्रतिशत वापसी दावों के निपटान में एक वर्ष से अधिक का विलम्ब था। इसके अलावा, मार्च 2013 तक ₹ 11,000 करोड़ वाले लगभग 2000 दावे 1 वर्ष से अधिक से निपटान हेतु लम्बित थे।

(पैराग्राफ 1.24)

- 31 मार्च 2013 तक ₹ 64,599.24 करोड़ के अधिक के सेवा कर के अधिनिर्णय मामले अन्तिम निपटान हेतु लम्बित थे।

(पैराग्राफ 1.26)

- 31 मार्च 2013 तक ₹ 1,37,950.40 करोड़ के सेवा कर के मामले अपीलीय प्राधिकारियों के समक्ष लम्बित थे।

(पैराग्राफ 1.28)

- बकाया की वसूली में सुधार हेतु विभाग द्वारा प्रारंभ किए गए उपायों ने कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं डाला था। वि.व. 13 के दौरान की गई वसूली अर्थात ₹ 2,321.69 करोड़ वर्ष के प्रारंभ में बकाया के 12 प्रतिशत से नीचे रहा।

(पैराग्राफ 1.29)

- पिछले 5 वर्षों (वर्तमान वर्ष की रिपोर्ट सहित) के दौरान कुल ₹ 1,508.45 करोड़ के सेवा कर वाले 851 लेखापरीक्षा पैराग्राफ सूचित किए गए थे। सरकार ने ₹ 1,398.90 करोड़ वाले 815 लेखापरीक्षा पैराग्राफों में लेखापरीक्षा आपत्तियां स्वीकार की थी और ₹ 395.09 करोड़ की वसूली की थी।

(पैराग्राफ 1.31)

अध्याय II: नियमों और विनियमों का अननुपालन

- हमने सेनवेट क्रेडिट के गलत लाभ/उपयोग, कर का भुगतान न करने/कम भुगतान करने और विलम्बित भुगतान पर ब्याज का भुगतान ने करने के मामले पाए जिनमें ₹ 237.17 करोड़ का सेवा कर शामिल था।

(पैराग्राफ 2.1)

अध्याय III: आंतरिक नियंत्रण की प्रभावकारिता

- हमने अन्य बातों के साथ साथ कारण बताओ नोटिस जारी करने में विलम्ब, विभागीय अधिकारियों द्वारा की जाने वाली समीक्षा और आन्तरिक लेखापरीक्षा में कमियों के मामले पाए। इन आपत्तियों में ₹ 28.58 करोड़ का सेवा कर निहितार्थ था।

(पैराग्राफ 3.2)